स्वरोजगार से जुड़कर स्वयं सहायता समूह की दीदियां बन रहीं आत्मनिर्भर

शहर के विभिन्न वार्डों में 125 एसएचजी का हुआ गठन, 380 महिलाओं को नगर निगम ने दिलाया ऋण

स्वावलंबन | शहरी आजीविका मिशन महिलाओं को बन रहा सहारा, स्वरोजगार से जुड़ी हैं शहर की महिलाएं

स्वरोजगार से जुड़ीं दीदियां, घर में आई समृद्धि

[illegible] • मेदिनीनगर (पलामू)

अदृश्य कोरोना संक्रमण ने पूरी दुनिया को हिला दिया। कई लोगों की जिंदगी लीलने के साथ ही कोरोना संक्रमण से आई महामारी ने विभिन्न लोगों को शारीरिक, मानसिक पीड़ा के साथ-साथ रोजी-रोटी पर भी ताले लगा दिए। ग्रामीण क्षेत्र के अलावा शहरी क्षेत्रों के भी उन लोगों के सामने सबसे बड़ा संकट खड़ा हो गया जो दो वक्त की कमाई कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। रोजगार छिन जाने के बाद घर में चूल्हा-चौका तक सीमित रहने वाली महिलाओं व थोड़ा बहुत पढ़ी-लिखी दीदियों को नगर निगम ने आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में प्रयास शुरू किया।

वहीं से शुरू हुआ जीवन में खुशहाली लाने के लिए अभिलाषाओं का वह प्रवाह जो आज शहर के लगभग 380 दीदियों को आत्मनिर्भर बनाया। आज वह दीदियां स्वयं का रोजगार स्थापित कर पूरे परिवार का भरण-पोषण कर रही हैं। इससे लोगों की जिंदगी में पुनः खुशियां लौट आई है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को अलग-अलग विधाओं में नगर निगम की ओर से आत्मनिर्भर बनाने का काम किया जा रहा है। महिलाएं भी इस काम में रुचि ले रही हैं।

रेहला में पापड़ बनाती सिंह महिला समूह की महिलाएं • जागरण

कचरा कलेक्शन भी बनेगा स्वरोजगार का साधन

नगर निगम की ओर से शहर को स्वच्छ रखने के लिए डोर टू डोर कचरा कलेक्शन हो रहा है। इसके पीछे स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को रोजगार से जोड़ना भी उद्देश्य है। पहले चरण में प्रयोग के रूप में शहर के वार्ड नंबर दो और 33 में यह कार्य शुरू किया गया था। अगर प्रयोग सफल रहा तो पूरे शहर में एसएचजी की महिलाएं डोर टू डोर कचरा कलेक्शन करेंगी। इससे एक सौ से अधिक महिलाएं सीधे तौर पर रोजगार से जुड़ेंगी।

शहर के विभिन्न वार्डों में गठित है 125 एसएचजी

नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न वार्डों में लगभग 125 स्वयं सहायता समूह गठित है। इसके माध्यम से करीब 1250 महिलाएं जुड़ी हुई हैं। हालांकि अब तक 38 एसएचजी की महिलाएं स्वरोजगार से जुड़ी हैं। यह आंकड़ा वर्ष 2020 का है। एनयूएलएम के माध्यम से यह अब साहूकारों के चक्कर से भी बच गई हैं और खुद के कार्य समृद्ध हो रही हैं।

2021 में नगर निगम क्षेत्र में हुआ 125 एसएचजी का गठन

380 महिलाओं को नगर निगम ने दिलाया ऋण

किस-किस क्षेत्र में काम कर रही महिलाएं

नगर निगम से गठित स्वयं सहायता से जुड़ी महिलाएं किन्हीं में काम कर रही है। दो समूह की महिलाएं सिलाई-कढ़ाई और तीन समूह ने पापड़, बड़ी, सत्तू व मूढ़ी को स्वरोजगार का माध्यम बनाया। एक समूह मोमबत्ती निर्माण, दो समूह मिक्चर, एक समूह जूट का थैला, एक समूह पशुपालन, एक समूह मशरूम और चार समूह की महिलाएं अगरबत्ती निर्माण को स्वरोजगार बनाकर काम कर रही हैं।

"वर्ष 2021 में 125 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया था। इनमें 38 स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को ऋण उपलब्ध कराते हुए स्वरोजगार से जोड़ा गया है। सरकार की ओर से प्राप्त लक्ष्य को हासिल करने दिशा में पहल करेंगे। **-राजीव कुमार**, सिटी मैनेजर, नगर निगम

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखण्ड सरकार

Toll free no.: 1800-120-29 29 | Website : www.dmajharkhand.in | Follow us on : @JharkhandDMA